चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20-12-22	4	1-6

छत के साथ-साथ ड्राइंग रूम में भी लगा सकते हैं फूल-सब्जियां

वर्टिकल गार्डनिंग : एचएयू में आयोजित दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव का हुआ शुभारंभ

फ्लावर शो में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20.12.22	4	3-6

'सुगंध व सुंदरता ही नहीं, पर्यावरण संतुलन के लिए भी जरूरी हैं फूल'

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ

एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी के दौरान निरीक्षण करते कुलपति प्रो.बीआर कांबोज व अन्य अधिकारी। संवाद

एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी के दौरान सूखे पुष्प व सजावटी पौधों को देखतीं छात्राएं। संवाद

माई सिटी ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि फूल प्रकृति के सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। ये न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी सहायक हैं। अब फूलों की खेती रोजगार का भी प्रमुख साधन है।

सोमवार को विश्वविद्यालय के एग्रो टूरिज्म सेंटर में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति कांबोज ने कहा कि फूलों के साथ से नई ऊर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। आने वाले समय में खेती लायक जमीन कम हो रही है। इस समस्या से

एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी के दौरान मेहंदी प्रतियोगिता में हिस्सा लेती छात्राएं। संवाद

निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की नई तकनीकें ईजाद की है। शहरी खेती भी ऐसा ही एक नया विचार है। घर के बाहर, छत पर या कमरे के अंदर भी गार्डन बनाए जा सकते हैं। हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते है। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सब्जियां उगाई जा सकती हैं।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि पुष्प उत्सव में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। आम लोगों के लिए सुबह 9 बजे से सायं साढ़े पांच बजे तक एग्री टूरिज्म सेंटर को खोला जाएगा। 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सोसायटी और भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर डॉ. संदीप आर्या, डॉ. अरविंद मलिक, डॉ. सुभाष समेत सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं शहरवासी मौजूद रहे।

ड्राइंग रूम को और सुंदर बना देगा बर्ड ऑफ पैराडाइज व टिटिंग ऑफ फ्लावर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू के दो दिवसीय पुष्प उत्सव में हिमालयी क्षेत्र में पाई जाने वाली फूलों की प्रजातियों को भी प्रदर्शित किया गया है। इसमें बर्ड ऑफ पैराडाइज है, जिसे ड्राइंगरूम में सजाया जाता है। इसके अलावा टिटिंग ऑफ फ्लावर है, जिसके बर्तन में पानी का रंग बदलने पर फूलों का रंग भी बदल जाता है। घर की सुंदरता बढ़ाने के लिए फूल लगाने के शौकीन हैं तो एचएयू के एग्रो टूरिज्म सेंटर में आप के लिए बहुत सारे विकल्प हैं।

एचएयू के एग्रो टूरिज्म सेंटर में मौजूद हैं 70 प्रजातियों के फूल

एचएयू में पुष्प उत्सव में प्रदर्शित हिमालयी क्षेत्र के विशेष फूल। संवाद

यहां 70 प्रजातियों के फूल लगाए गए हैं। यहां सभी फूलों की खासियत के साथ-साथ उनकी बुवाई की विधियां, समय आदि की जानकारी भी मिलती है। इस सेंटर के इंचार्ज डॉ. अरविंद मलिक बताते हैं कि हिसार की जलवायु के लिए ग्लेडियोलस, जरबेरा, ट्यूबरोज, लिलियम आदि प्रजातियां बेहतर हैं। क्योंकि यहां सर्दियों का समय छोटा होता है। जबकि फूलों की कई प्रजातियां 30 डिग्री से अधिक तापमान सहन नहीं कर पातीं। दो दिवसीय पुष्प उत्सव में यहां पाई जाने वाली प्रजातियों के अलावा खासतौर पर हेलीकोनिया व एंथोटियम को भी रखा गया है। ये प्रजातियां हिमालयी क्षेत्रों में खास तौर पर पाई जाती है। क्योंकि इन्हें 25 डिग्री से कम तापमान की जरूरत होती है। ऐसे ही बर्ड ऑफ पैराडाइज भी है, जिसे ड्राइंगरूम में सजाया जाता है। इसके अलावा टिटिंग ऑफ फ्लावर को भी ड्राइंग रूम में सजाया जाता है, जिसके बर्तन में पानी का रंग बदलने पर फूलों का रंग भी बदल जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20-12-22	1	1-7

प्रदर्शनी

जमीन और समय की कमी का विकल्प खोज रहे एचएयू के वैज्ञानिक, विदेश में अभी एयरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के उगाई जा रहीं सब्जियां

बिना मिट्टी एलईडी लाइट्स युक्त हाइड्रोपोनिक सिस्टम से किचन में ही उगेंगी सब्जियां

एचएयू के पाली हाउस में एयरपोनिक सिस्टम में विकसित पौधे दिखाते डॉ. अरविंद मलिक। अमर उजाला

उदयभान त्रिपाठी

हिसार। महानगरों में रहने वाले लोग अब अपने ड्राइंग रूम या किचन में भी बिना मिट्टी का प्रयोग किए ही हरी पत्तेदार सब्जियां उगा सकेंगे और वह भी बहुत कम जगह में। ऐसा संभव हो सकेगा नए हाइड्रोपोनिक सिस्टम विद एलईडी लाइट्स के जरिये।

यह स्टैंड पर बना एलईडी लाइट युक्त सिस्टम है, जिसमें पौधे को बिना मिट्टी के पानी के जरिये जरूरी पोषक तत्व दिए जाएंगे। यह एयरोपोनिक सिस्टम से भी एडवांस वर्जन है। अभी विदेश में एयरोपोनिक सिस्टम के जरिये छोटे-छोटे बर्तनों में हरी सब्जियों की खेती की जा रही है। बढ़ती आबादी व कम होती जमीन आने वाले वक्त के लिए बड़ा संकट है। जमीन की कमी के चलते सब्जियों की खेती भी मुश्किल है। मजबूरी में स्टोर की गई सब्जियों से ही काम चलाना पड़ता है, जबकि बेहतर स्वास्थ्य के लिए ताजी हरी पत्तेदार सब्जियों को जरूरी माना जाता है। ब्रिटेन समेत कई देशों में इसके विकल्प के तौर पर एयरोपोनिक सिस्टम के जरिये हरी पत्तेदार सब्जियों की खेती की जा रही है। इसमें छोटे-छोटे गमलों में खास तौर पर तैयार पोषक तत्वों से युक्त क्ले प्वाइंटस डाले जाते हैं। इसमें डाले गए बीज पानी व पोषक तत्व प्राप्त कर हवा में ही अंकुरित होते हैं। अब कृषि विशेषज्ञ इससे भी एक कदम आगे हाइड्रोपोनिक सिस्टम पर काम कर रहे हैं।

एचएयू के एग्रो टूरिज्म सेंटर इंचार्ज डॉ. अरविंद मलिक बताते हैं कि एचएयू में इन दोनों विधियों पर काम चल रहा है। इसमें से एयरपोनिक सिस्टम के जरिये टमाटर, धनिया समेत कई हरी पत्तेदार सब्जियां उगाई भी जा चुकी हैं। जबकि हाइड्रोपोनिक सिस्टम को अभी ट्रायल में रखा गया है।

पौधे खुद की जरूरत के अनुसार लेंगे पानी

डॉ. अरविंद मलिक बताते हैं कि हाइड्रोपोनिक सिस्टम में पौधों को वृद्धि के लिए सूर्य की रोशनी की जगह एलईडी लाइट की रोशनी मिलेगी। यह सिस्टम इतना एडवांस है कि इसमें पौधों को बार-बार पानी भी नहीं देना होगा, बल्कि पौधे खुद अपनी जरूरत के अनुसार पाइप में उपलब्ध पानी व पोषक तत्व प्राप्त कर सकेंगे। जिस स्टैंड पर यह सिस्टम विकसित है उसे किसी मेज या दीवार के सहारे खड़ा किया जा सकेगा। सिस्टम बिजली व पानी की सप्लाई लाइन से कनेक्ट होगा। इस प्रकार उगाई गई सब्जियों के रंग या स्वाद में भी कोई अंतर नहीं आएगा।

स्टैंड पर हाइड्रोपोनिक विधि से उगाई गई सब्जी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.12.22	2	1-5

एचएयू में फ्लावर शो ... • 100 से ज्यादा किस्म के फूलों की बिखरी महक, 15 किस्म के औषधीय पौधे भी प्रदर्शनी में लगाए

लोगों को भा रहे नॉर्थ ईस्ट से साउथ तक के 5 दुर्लभ वैरायटी के फूल, रूम में हेल्दी दोस्त बन सकता है फरकेरिया का पौधा

सिटी रिपोर्टर • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार से दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' शुरू हुआ। इस बार शहर के लोगों को नॉर्थ ईस्ट से लेकर साउथ के 5 दुर्लभ वैरायटी के फूल भा रहे हैं। जिनके पहले नीदरलैंड में बल्ब (ऐसी गांठ जिससे पौधा अंकुरित होता है) तैयार होते हैं लेकिन बेस्ट मौसम होने के लिए इनके पौध को भारत लाया जाता है। जिनमें आर्किड, एन्थुरियम, जेरबेरा, कारनेशन व लिबियम के पौधे हैं। ये सर्दी के मौसम में ही उगते हैं। इनकी विशेषता है कि ये दिखने में आकर्षक होते हैं, जो घर या संस्थान की सजावट को बढ़ाते हैं। दूसरी फरकेरिया नामक पौधा, जो बेडरूम में हेल्दी दोस्त बन सकता है। यह दिन में कार्बन-डाईऑक्साइड लेकर ऑक्सीजन छोड़ता है लेकिन रात को कार्बन-डाईक्साइड लेकर अपना खुद का भोजन भी तैयार कर लेता है, जिससे रूम में व्यक्ति को ऑक्सीजन ही मिलती है। तीसरा है पॉनिरिया नामक पौधा, जिसके सर्दी की एंट्री से पहले पत्ते लाल हो जाते हैं, जबकि गर्मी में हरे रंग के हो जाते हैं। सोमवार को पहले दिन 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' में एचएयू के वीसी प्रो. बीआर कॉम्बोज मुख्यातिथि रहे।

आज विद्यार्थी पेंटिंग और मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता में भाग लेंगे

दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022 के दूसरे यानि अंतिम दिन मंगलवार को स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी मेहंदी रचाओ, ऑन स्पॉट ड्राइंग व पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिसमें पहली से पांचवीं, छठी से आठवीं, नौवीं से बारहवीं और कॉलेज के विद्यार्थी भी शामिल होंगे। इसके अलावा पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लॉवर सजाना आदि होगा।

आमजन के लिए खुला एग्रो टूरिज्म सेंटर

सीसीएचएयू के वीसी प्रो. बीआर कॉम्बोज ने आमजन के लिए सुबह 9 बजे से शाम साढ़े 5 बजे तक एग्री टूरिज्म सेंटर को खोलने के आदेश दिए हैं। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी। मंगलवार को कार्यक्रम में विजेताओं को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

जानिए... प्रदर्शनी में लगाए औषधीय पौधे व उनकी खूबी

पेडिलैंथस : घर में आसानी के साथ उगाया जा सकता है। यह शारीरिक कमजोरी को दूर करता है।
पत्थरचट्ट : इसकी मदद से पत्थरी संबंधित बीमारी से निजात मिल सकती है।
शतावर : इसके पत्ते को रोज पशु को खिलाए जाए तो ये दूध की उत्पादन की मात्रा को बढ़ा देता है।
अश्वगंधा : जिसके रोज दो पत्ते खाने से मोटापा घट सकता है तो दूसरी, शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है।
कद्दी पत्ता : पाचन संबंधित परेशानियां दूर करने में मददगार है।
ग्वारपाठा : इस पौधे से निकलने वाले जैल से शरीर का रूखापन और पाचन संबंधित परेशानी दूर जाती है।
सदाबहार : कैंसर संबंधित बीमारी में मददगार है। रोज 15 पत्ते का रस निकालकर सादा पानी में मिलाकर पीने से विकार दूर हो जाते हैं।
जंगली लहसन : जिसके अंदर गलिंक एसिड तत्व होता है, जोकि जोड़-दर्द संबंधित बीमारियों को दूर करता है।
रामा तुलसी : इसके अंदर ओसिमम नामक तत्व होता है, जो बुखार व जुकाम को ठीक कर सकता है।
दमबेल : सांस संबंधित बीमारी से निजात दिलाने में सहायक है।
सुदर्शन : कान संबंधित बीमारी से निजात दिलाता है।

नोट : एचएयू के वनस्पति विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुभाष काजल ने गिनाए औषधिय पौधों के फायदे।

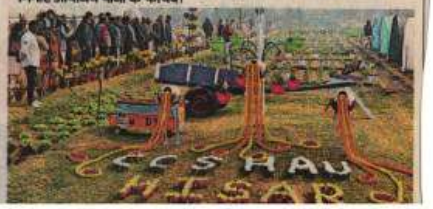

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20.12.22	5	3-6

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं : प्रो. काम्बोज

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो व पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ

हिसार, 19 दिसंबर (विरेंद्र वर्मा): फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई उर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां इजाद की है। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते है। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सब्जियां उगाई जा सकती हैं। वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक्स विधि के लिए कम जगह व बिजली की जरूरत होती है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुत्फ उठाने के लिए शहरवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस फ्लॉवर शो में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। लोगों का खासतौर पर स्कूली बच्चों का रूझान बहुत ज्यादा है। आम जनता के लिए प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजकर 30 मिनट तक एग्री टूरिज्म सेंटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी जिसमें लोग मनपसंद के फूलों की खरीदारी भी कर सकेंगे। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता होगी। ऑन स्पॉट ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता भी होगी जिसमें पहली से पांचवी, छठी से आठवीं, नौवीं से बारहवीं और कॉलेज ग्रुप शामिल किए जाएंगे। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रैश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। इन सबके लिए पंजीकरण निशुल्क होगा। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं शहरवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सोसायटी और भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	20.12.22	7	1-3

हकृवि में उत्सव 22 से

प्रकृति का सबसे खूबसूरत उपहार हैं फूल : काम्बोज

हिसार में सोमवार को पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रो बीआर काम्बोज। -निस

हिसार, 19 दिसंबर (निस)

शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 22 का शुभारंभ करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने कहा कि फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। सुबह-सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई उर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है।

प्रो कांबोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है, इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें इजाद की हैं। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते हैं।

अधिष्ठाता डॉ नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुत्फ उठाने के लिए शहरवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं । इस फ्लॉवर शो में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	20.12.22	9	4-8

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक: प्रो. काम्बोज

एचएयू में शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय में आयोजित शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022 के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

हिसार। पुष्प प्रदर्शनी देखतीं युवतियां।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां इजाद की है। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुत्फ उठाने के लिए शहरवासी बढ़-चढकर हिस्सा ले रहे हैं। इस फ्लॉवर शो में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। लोगों का खासतौर पर स्कूली बच्चों का रूझान बहुत ज्यादा है। उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी जिसमें लोग मनपसंद के फूलों की खरीदारी भी कर सकेंगे। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग मेंहदी रचाओ प्रतियोगिता होगी। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फेरश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। कार्यक्रम का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सोसायटी और भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20-12-22	3	1-4

फ्लॉवर शो में रखी सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां

दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ

पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए युवतियां व पुष्प प्रदर्शनी देखने पहुंचे स्कूली बच्चे।

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं: प्रो. काम्बोज

हिसार, 19 दिसम्बर (राठी): फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई उर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां इजाद की है।

शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते है। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सब्जियां उगाई जा सकती हैं। वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक्स विधि के लिए कम जगह व बिजली की जरूरत होती है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुत्फ उठाने के लिए शहरवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस फ्लॉवर शो में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता होगी। ऑन स्पॉट ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता भी होगी जिसमें पहली से पांचवी, छठी से आठवीं, नौवीं से बारहवीं और कॉलेज ग्रुप शामिल किए जाएंगे। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

ऑन स्पॉट ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए छात्राएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20-12-22	1	7-8

पुष्प प्रदर्शनी : खूबसूरती की बिखरी छठा

एचएयू के एग्रो टूरिज्म सेंटर में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. कांबोज ने किया। पुष्प प्रदर्शनी के दौरान फूलों की खूबसूरती को निहारतीं छात्राएं। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20-12-22	1	1-3

फूल देख मन महका...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बोटैनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव में फूलों की प्रदर्शनी देखती युवतियां। • जागरण

संबंधित समाचार पेज IV

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	19.12.2022	-----	-----

हिसार : एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ

19 Dec 2022 18:10:10

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार, 19 दिसम्बर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई ऊर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां इजाद की है। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते है। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सब्जियां उगाई जा सकती हैं। वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक्स विधि के लिए कम जगह व बिजली की जरूरत होती है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुत्फ उठाने के लिए शहरवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं । इस फ्लोवर शो में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। लोगों का खासतौर पर स्कूली बच्चों का रुझान बहुत ज्यादा है। आम जनता के लिए प्रात: नौ बजे से सांय पांच बजकर 30 मिनट तक यही टूरिज्म सेंटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी जिसमें लोग मनपसंद के फूलों की खरीदारी भी कर सकेंगे। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	19.12.2022	-----	-----

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई उर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां इजाद की है। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते हैं। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सब्जियां उगाई जा सकती हैं। वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक्स विधि के लिए कम जगह व बिजली की जरूरत होती है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि

मनमोहक नजारों का लुत्फ उठाने के लिए शहरवासी हिस्सा ले रहे हैं। इस फ्लॉवर शो में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। लोगों का खासतौर पर स्कूली बच्चों का रूझान बहुत ज्यादा है। आम जनता के लिए प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजकर 30 मिनट तक एग्री टूरिज्म सेंटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी जिसमें लोग मनपसंद के फूलों की खरीदारी भी कर सकेंगे। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता होगी। ऑन स्पॉट ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता भी होगी जिसमें पहली से पांचवी, छठी से आठवीं, नौवीं से बारहवीं और कॉलेज ग्रुप शामिल किए जाएंगे। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। इन सबके लिए पंजीकरण निःशुल्क होगा। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं शहरवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सोसायटी और भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्माचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	19.12.2022	-----	-----

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' शुरू

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई उर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है।

पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करती युवतियां।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. फ्लॉवर शो में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। आम जनता के लिए प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजकर 30 मिनट तक एग्री टूरिज्म सेंटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के जाएगा। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं शहरवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सोसायटी और भू-दृश्य इकाई सरंचना के सहयोग से किया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	20.12.2022	-----	-----

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं- प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई उर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां इजाद की है। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते है। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सब्जियां उगाई जा सकती हैं। वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक्स विधि के लिए कम जगह व बिजली की जरूरत होती है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुत्फ उठाने के लिए शहरवासी बढ़-चढ?र हिस्सा ले रहे हैं । इस फ्लॉवर शो में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। लोगों का खासतौर पर स्कूली बच्चों का रूझान बहुत ज्यादा है।

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	19.12.2022	-----	-----

नभ छोर न्यूज ▶▶ हिसार। हकृवि में आज से दो दिवसीय फूल प्रदर्शनी आरंभ हुई। इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने विभिन्न प्रजातियों के आकर्षक फूलों का अवलोकन किया। इस फलौवर शो में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। लोगों का खासतौर पर स्कूली बच्चों का रुझान बहुत ज्यादा है। आम जनता के लिए प्रात: 9 बजे से सांय 5 बजकर 30 मिनट तक एग्री टूरिज्म सेंटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी जिसमें लोग मनपसंद के फूलों की खरीदारी भी कर सकेंगे। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।